Gu – अच्छा चरवाहा और उसकी भेड़ें युहन्ना १०:१-२१ | 1

– Save This Page as a PDF–

अच्छा चरवाहा और उसकी भेड़ें

युहन्ना १०:१-२१

खुदाई: ईसा मसीह के जीवनकाल के दौरान, चरवाहे रात में अपनी भेड़ों की रक्षा कैसे करते थे? वह उनकी रक्षा के लिए कितनी दूर तक जाने को तैयार होगा? इस कहानी में भेड़ें किसका प्रतिनिधित्व करती हैं? अच्छा चारवाहा? झूठे चरवाहे? अजनबी? आपको क्या लगता है कि यीशु ने अपने उदाहरण में भेड़ का इस्तेमाल क्यों किया? चरवाहे का अपनी भेड़ों से क्या संबंध है? भेड़ें चरवाहे को कैसी प्रतिक्रिया देती हैं? इसका यीशु को समझने में फरीसियों की कठिनाई से क्या संबंध है? ख़ुद को भेड़- बाड़े के दरवाज़े से तुलना करने से येशु का क्या मतलब है? वह चोरों और लुटेरों जैसा कैसे नहीं है? प्रभु स्वयं को अच्छे चरवाहे के साथ कैसे पहचानते हैं? उसके श्रोता वैसी ही प्रतिक्रिया क्यों देते हैं जैसी वे देते हैं? इस कहानी का मूल बिंदु क्या है?

चिंतन: “प्रभु की आवाज़” सुनने के संदर्भ में आपके लिए कौन सा मोड़ महत्वपूर्ण था? आप उसकी आवाज़ को इतने सारे अन्य लोगों की आवाज़ से कैसे पहचानते हैं जो आपका ध्यान आकर्षित करने की होड़ करते हैं? व्यक्तिगत रूप से आपके लिए इस अनुभाग में सबसे अधिक आश्वस्त करने वाली बात क्या है? यदि आपके पास कोई सांसारिक रक्षक नहीं है, तो क्या आप ईश्वर को अपना स्वर्गीय रक्षक बनने दे सकते हैं?

उस दोपहर बाद, बूथों के त्योहार के आठवें दिन (लैव्यव्यवस्था २३:३६, ३९; गिनती २९:३५), मसीह ने उस भीड़ से बात की जिसने मंदिर परिसर में पैदा हुए अंधे आदमी के उपचार का चमत्कार देखा था . फरीसियों की अंधता की शिक्षा से आगे बढ़ते हुए, जो लोगों के शिक्षक होने का दावा करते थे, यीशु ने उन्हें सच्चे और झूठे शिक्षकों के बारे में एक रूपक दिया, और खुद को उनके साथ तुलना की। आठवें दिन को एक अलग दावत माना जाता था और सब्त के विश्राम के दिन के रूप में मनाया जाता था।

यदि एक चित्र हज़ार शब्दों के बराबर है, तो एक प्रतीक हज़ार व्याख्यानों के बराबर है। यीशु ने स्वर्ग के रहस्यों को खोलने के लिए एक परिचित छवि की शक्ति को समझा। और पहली सदी के यहूदिया में एक चरवाहे द्वारा अपनी भेड़ों को ले जाते हुए देखने से ज्यादा आम कोई दृश्य नहीं था – आज लोगों को अपनी कारों में सवार देखने से कम आम नहीं। इस्राएल की खोई हुई भेड़ों के लिए, वह जीवित द्वार और अच्छा [सच्चा] चरवाहा था।

Gu – अच्छा चरवाहा और उसकी भेड़ें युहन्ना १०:१-२१ | 2

यूरोप में भोजन के लिए भेड़ पालने वाले कई किसानों के विपरीत, पहली सदी के यहूदिया में चरवाहे ऊन के लिए भेड़ पालते थे। जानवर चरते थे और मोटे कोट उगाते थे जिन्हें काटकर अच्छी रकम में बेचा जा सकता था। जाहिर है, जिसके पास जितनी अधिक भेड़ें होंगी वह उतना ही अधिक पैसा कमा सकता है, इसलिए चरवाहे अपने झुंड पर बहुत सावधानी से नजर रखते थे। उन्होंने दिन के दौरान सुरक्षित चराई प्रदान करने के लिए अपने स्वयं के आराम का त्याग किया और रात के दौरान चोरों और शिकारियों से झुंड की रक्षा करने के लिए अपनी सुरक्षा को जोखिम में डाला। इसलिए, एक चरवाहे के लिए अपने प्रत्येक जानवर को व्यक्तिगत रूप से जानना और प्रत्येक को नाम से बुलाना असामान्य बात नहीं थी।

एक अच्छा चरवाहा कभी भी रात होने पर अपने झुंड को मैदान में नहीं रहने देता था; चोर और जंगली जानवर अंधेरे का फायदा उठाकर उसकी भेड़ें चुरा सकते थे और मार सकते थे। यदि चारागाह गाँव के काफी करीब था, तो भेड़ों को रात के लिए खेत से सामुदायिक भेड़-बाड़े में ले जाया जाता था, जिसकी रखवाली एक नामित द्वारपाल द्वारा की जाती थी। सुबह में, पर्याप्त चरने के लिए अपने झुंडों को जंगल में ले जाने से पहले, चरवाहे केवल अलग-अलग दिशाओं से बुलाकर झुंडों को अलग कर सकते थे। भेड़ें अपने चरवाहे की आवाज जानकर उसके पीछे-पीछे चलती थीं। चरवाहे हमेशा अपनी भेड़ों के साथ हफ्तों तक तारों के नीचे डेरा डाले रहते थे। जैसे ही हर शाम अंधेरा होता, वे झुंड को एक गुफा या किसी अन्य प्राकृतिक घेरे में बंद कर देते और प्रवेश द्वार पर सो जाते, मानो खुद को एक जीवित द्वार बना लेते।

राज्य और चर्च की भेड़-बाड़े के संबंध में, यीशु द्वार है। यीशु ने अभी-अभी जन्म से अन्धे मनुष्य को चंगा किया था और कहा था: मैं न्याय करने के लिये इस जगत में आया हूं, कि अन्धे देखें, और जो देखते हैं वे अन्धे हो जाएं। कुछ फरीसियों ने जो उसके साथ थे, उसे यह कहते हुए सुना और पूछा, “क्या? क्या हम भी अंधे हैं” (यूहन्ना ९:३९-४०)? तो यहाँ, येशुआ एक रूपक के साथ जवाब देता है। फरीसी सामान्य देहाती परिदृश्य से परिचित थे, लेकिन शब्दों के पीछे के आध्यात्मिक अर्थ को नहीं समझ सके। संक्षेप में, हाँ, वे भी अंधे थे! मुख्य चरवाहे ने आगे कहा: फरीसियों, मैं तुम से सच सच कहता हूं, जो कोई फाटक से भेड़शाला में प्रवेश नहीं करता, परन्तु किसी और मार्ग से चढ़ जाता है, वह चोर और डाकू है। फरीसियों ने, जिन्होंने यह सिखाकर तोरा को विकृत कर दिया था कि मौखिक ब्यबस्था (Ei– मौखिक ब्यबस्था देखें) तोरा के बराबर या उससे भी बेहतर था, उन्होंने लोगों से सच्चाई चुरा ली थी और उनका आशीर्वाद छीन लिया था। फरीसियों के विपरीत, जो द्वार से प्रवेश करता है, उसे भेड़ों का चरवाहा माना जाता है (योचनान १०:१-२)। उसे प्रवेश करने का अधिकार है और इसकी पहचान तब होती है जब द्वारपाल उसके लिए द्वार खोलता है।

निकट पूर्वी चरवाहा कभी भी अपने झुंड को पीछे से नहीं चलाता, बल्कि हमेशा आगे चलता है, और उन्हें सड़कों और पहाड़ियों के पार नए चरागाहों तक ले जाता है। जैसे- जैसे वह जाता है, उसके लिए ऊंचे गाने वाली आवाज में उनसे बात करना असामान्य नहीं

Gu – अच्छा चरवाहा और उसकी भेड़ें युहन्ना १०:१-२१ | 3

है। द्वारपाल उसके लिये द्वार खोलता है, और भेड़ें उसकी आवाज सुनती हैं। वह अपनी भेड़ों को नाम लेकर बुलाता है और उन्हें बाहर ले जाता है। जब वह अपने सब लोगों को बाहर निकाल लाता है, तो उनके आगे आगे चलता है, और उसकी भेड़ें उसके पीछे हो लेती हैं, क्योंकि वे उसका शब्द पहचानती हैं (यूहन्ना १०:३-४)।

परन्तु वे कभी किसी अजनबी के पीछे न चलेंगे; वास्तव में, यदि कोई अजनबी भेड़- बाड़े में प्रवेश करता है, तो भेड़ें उससे दूर भाग जाएंगी क्योंकि वे किसी अजनबी की आवाज नहीं पहचानती हैं (यूहन्ना १०:५)। यीशु द्वारा भाषण के इस अलंकार का उपयोग इस बात पर जोर देता है कि एक चरवाहा अपने झुंड का पालन-पोषण कैसे करता है। लोग परमेश्वर के पास आते हैं क्योंकि वह उन्हें बुलाता है (रोमियों ८:२८-30)। मसीह की बुलाहट के प्रति उनकी उचित प्रतिक्रिया उसका अनुसरण करना है (यूहन्ना १:४३, ८:१२, १२:२६, २१:१९ और २२)। लेकिन यह आध्यात्मिक पाठ फरीसियों से छूट गया, जो समझ नहीं पाए कि यीशु उनसे क्या कह रहे थे (योचनान १०:६)।

झुंड के संबंध में, यीशु अच्छा [सच्चा] चरवाहा है। इसलिए, यीशु ने फिर कहा: मैं तुम से सच सच कहता हूं, भेड़ों के लिए द्वार मैं हूं (यूहन्ना १०:७)। यह येशुआ के सात मैं हूँ (यूहन्ना ६:३५, ८:१२, १०:११, ११:२५, १४:६, १५:१) में से तीसरा है। युहन्ना १०:१ में अपने पहले का अनुसरण यहाँ दूसरे के साथ बहुत ही सही मायने में करता है, जो पहले की व्याख्या करता है। एकत्रित भीड़ से उन्होंने कहा: जो भी मुझसे पहले आए हैं वे सभी चोर और लुटेरे हैं। मसीहा के पूर्ववर्ती फरीसी, टोरा- शिक्षक और सदूकी हैं जो वर्तमान में यहूदियों पर शासन कर रहे थे। उन्हें चोरों और लुटेरों के रूप में पहचानकर, मसीह ने उन्हें यिर्मयाह (यिर्मयाह २३:१-२), यहेजकेल (यहेजकेल ३४:१-१०), और जकर्याह (जकर्याह ११:४-१७) द्वारा भविष्यवाणी की गई भूमिका में डाल दिया। अन्नस के पुत्रों के बाज़ार (देखें Bs– फसह में मंदिर की पहली सफाई) ने लोगों को शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से गरीब बना दिया था, लेकिन यीशु वास्तविक समृद्धि लाने के लिए आए थे। येशुआ ने पहले ही बताया है कि भेड़ें अजनबियों पर ध्यान नहीं देंगी। अब वह कहता है कि भेड़ों ने चोरों और लुटेरों की नहीं सुनी। जो वास्तव में उसकी भेड़ें हैं उनमें आध्यात्मिक विवेक है। वे अपने [सच्चे] चरवाहे की आवाज़ की प्रतीक्षा करते हैं और चोरों की बात नहीं सुनते हैं (योचनान १०:८)।

मैं द्वार हूँ; जो कोई मेरे द्वारा प्रवेश करेगा वह उद्धार पाएगा। वे भीतर आएंगे और बाहर जाएंगे, और चारा ढूंढ़ेंगे (यूहन्ना १०:९)। कैथोलिक बिशप अल्फोंस डी लिगुरी की पुस्तक, द ग्लोरीज़ ऑफ मैरी में, वह कहते हैं, “मैरी को कहा जाता है। . . स्वर्ग का द्वार क्योंकि कोई भी उससे गुज़रे बिना उस धन्य राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता” (पृष्ठ १६०)। इसके अतिरिक्त, वह लिखते हैं, “मुक्ति का मार्ग मरियम के अलावा किसी के लिए खुला नहीं है,” और चूंकि, “हमारा उद्धार मरियम के हाथों में है।” . . जो व्यक्ति मरियम द्वारा संरक्षित है वह बच जाएगा, और जो नहीं है वह खो जाएगा” (पृष्ठ १६९-१७०)। यह कैथोलिक चर्च का आधिकारिक सिद्धांत है, और यह घृणित

Gu – अच्छा चरवाहा और उसकी भेड़ें युहन्ना १०:१-२१ | 4

है कि यह सिखाएगा कि मसीह में विश्वास के बजाय मैरी में विश्वास बचाएगा।

चोर, अर्थात् झूठा चरवाहा, केवल चोरी करने, हत्या करने और नष्ट करने के लिये आता है; मैं इसलिए आया हूं कि वे जीवन पाएं, और भरपूर पाएं (यूहन्ना १०:१०)। यह कोई समृद्धि नहीं है, “इसे नाम दो और दावा करो (या जैसा कि मैं इसे “बलाओ और हड़प लो”) धर्मशास्त्र है। यीशु को पैसे से कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन वह इसे नैतिक रूप से तटस्थ मानते थे, जिसका ईश्वर के राज्य से कोई लेना-देना नहीं था। मसीह के अनुयायी धनी व्यक्ति नहीं थे, वास्तव में कई लोगों ने मसीहा का अनुसरण करने के लिए समृद्ध व्यवसाय छोड़ दिए। येशुआ द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रचुरता एक आध्यात्मिक प्रचुरता है जो आय, स्वास्थ्य, रहने की स्थिति और यहां तक कि मृत्यु जैसी परिस्थितियों से भी परे है।

प्रचुर जीवन वह जीवन है जो कभी समाप्त नहीं होता; फिर भी हमें इस प्रचुरता को प्राप्त करने और इसका आनंद लेने के लिए अपने भौतिक जीवन के अंत तक प्रतीक्षा करने की आवश्यकता नहीं है। प्रचुर जीवन में शांति, उद्देश्य, नियति, जीने का एक वास्तविक उद्देश्य, किसी भी प्रतिकूलता का सामना करने की खुशी – कब्र सहित – बिना किसी डर के, और आत्मविश्वासपूर्ण आश्वासन के साथ कठिनाई सहन करने की क्षमता शामिल है।

मैं अच्छा [सच्चा] चरवाहा हूं (यूहन्ना १०:११ए; यहेजकेल ३४:२३, ३७:२४, भजन २३; यूहन्ना २१:१५-१७; इब्रानियों १३:२०; प्रथम पतरस ५:४ भी देखें)। यीशु का मजबूत कथन: मैं हूँ (ग्रीक: ईगो ईमी), जिसे अच्छे [सच्चे] चरवाहा वाक्यांश के साथ जोड़ा गया है, मूल भाषा में विशेष रूप से जोरदार है। यह यीशु के सात मैं हूँ में से चौथा है (योचनान ६:३५, ८:१२, १०:७, ११:२५, १४:६, १५:१)। सिनोप्टिक गॉस्पेल के अनुसार दृष्टान्त मसीहा द्वारा अपनी शिक्षा प्रस्तुत करने का प्राथमिक तरीका था। इस संबंध में, कई अन्य लोगों की तरह, सिनोप्टिक्स और योचनान के गॉस्पेल के बीच एक तीव्र और आसानी से देखने योग्य विरोधाभास है। युहन्ना में कोई दृष्टांत नहीं हैं। चरवाहों के बारे में दृष्टान्तों के बजाय हम पाते हैं: मैं अच्छा चरवाहा हूँ, और चरवाहे के बारे में सामान्य कथन, लेकिन कोई कहानी नहीं। इसके बाद जो कुछ होता है वह उस उत्पीड़न का स्पष्ट पूर्वाभास है जो वह सहेगा, हमारी ओर से उसकी स्थानापन्न मृत्यु पर जोर देता है।

अच्छा [सच्चा] चरवाहा भेड़ के लिए अपना जीवन दे देता है (यूहन्ना १०:११बी)। एक चरवाहे का जीवन बहुत खतरनाक हो सकता है जैसा कि डेविड द्वारा भालू और शेरों के खिलाफ अपने झुंड की रक्षा करते हुए चित्रित किया गया है (प्रथम शमूएल १७:३४-३५, ३७)। याकूब ने भी एक वफादार चरवाहा होने के श्रम और परिश्रम का अनुभव किया (उत्पत्ति ३१:३८-४०)। यीशु ने कहा: मैं अच्छा [सच्चा] चरवाहा हूँ। तानाख में ईश्वर को अपने लोगों का चरवाहा कहा गया है (भजन संहिता २३:१, ८०:१-२; सभोपदेशक १२:११; यशायाह ४०:११; यिर्मयाह ३१:१०)। ब्रिट चादाशाह में, येशुआ को महान चरवाहा

Gu – अच्छा चरवाहा और उसकी भेड़ें युहन्ना १०:१-२१ | 5

(इब्रानियों १३:२०-२१) और मुख्य चरवाहा (प्रथम पतरस ५:४) भी कहा गया है।

अच्छे [सच्चे] चरवाहे के विपरीत, जो अपनी भेड़ों का मालिक है, उनकी देखभाल करता है, उन्हें खिलाता है, उनकी रक्षा करता है और उनके लिए मर जाता है, वह जो मजदूरी के लिए काम करता है – भाड़े के आदमी – की प्रतिबद्धता समान नहीं है क्योंकि वह भेड़ों का मालिक नहीं है। वह केवल पैसा कमाने और आत्म-संरक्षण में रुचि रखता है। इसलिए जब वह भेड़िये को आते देखता है तो भेड़ों को छोड़कर भाग जाता है। फिर भेड़िया हमला करता है (ग्रीक: हरपाज़ी), सचमुच झुंड को छीन लेता है (यह वही क्रिया है जिसका उपयोग योचनान १०:२८ में किया गया है) और उसे तितर-बितर कर देता है। वह आदमी भाग जाता है क्योंकि वह मज़दूर है और उसे भेड़ों की कोई परवाह नहीं है (यूहन्ना १०:१२-१३)। इस्राएल में कई झूठे भविष्यवक्ता, स्वार्थी राजा और नकली मसीहा थे। परमेश्वर का झुंड लगातार उनके दुर्व्यवहार से पीड़ित रहा (यिर्मयाह १०:२१-२२, १२:१०; जकर्याह ११:४-१७)। यह मसीहा को झूठे शिक्षकों, इस्राएल के चोरों और लुटेरों से अलग करता है जो कथित तौर पर ईमानदारी से विश्वास करते हैं परमेश्वर के लोगों को सिखाया। जबकि वह निःस्वार्थ है, वे स्वार्थी थे। जबकि वह अपनी भेड़ों के लिए अपना जीवन दे देगा, वे स्वयं को बचाने के लिए सब कुछ त्याग देंगे। जबकि येशुआ टोरा और पिता की पूरी आज्ञाकारिता में रहते थे, वे केवल अपनी इच्छाओं का पालन करते थे।

यह संपूर्ण बाइबल में विश्वासी की सुरक्षा के सबसे मजबूत अंशों में से एक है (देखें Ms – विश्वासी की शाश्वत सुरक्षा)। यीशु ने फिर से अपनी घोषणा दोहराई: मैं अच्छा [सच्चा] चरवाहा हूं। किराये के नौकर के विपरीत, सच्चे चरवाहे की अपनी भेड़ों में घनिष्ठता और व्यक्तिगत रुचि होती है। मसीहा ने कहा: मैं अपनी भेड़ों को जानता हूं और मेरी भेड़ें मुझे जानती हैं – जैसे पिता मुझे जानता है और मैं पिता को जानता हूं – और मैं भेड़ों के लिए अपना प्राण देता हूं (योचनान १०:१४-१५)। येशुआ की देखभाल और चिंता को झुंड के लिए उसकी आने वाली मौत की भविष्यवाणी से देखा जा सकता है।

मेरे पास अन्य भेड़ें हैं जो इस भेड़ बाड़े की नहीं हैं, अर्थात् अन्यजातियाँ। मुझे उन्हें भी लाना होगा. वे भी मेरा शब्द सुनेंगे, और एक ही झुण्ड और एक ही चरवाहा होगा (यूहन्ना १०:१६)। हालाँकि सबसे पहले उनके शिष्यों केवल इस्राएल के घर की खोई हुई भेड़ों के लिए भेजे गए थे (मत्तीयाहू १०:६ सीजेबी), और उसी तरह से अपने स्वयं के कमीशन की बात करते थे (मती ८:५-१३), यह सीमा केवल लागू होती थी पुनरुत्थान से पहले उनके जीवन के लिए। इसके अलावा, उन्होंने अन्यजातियों के शामिल होने की सूचना तब दी जब उन्होंने रोमन सेंचुरियन के नौकर को ठीक किया (देखें En– सूबेदार का विश्वास), कनानी महिला की राक्षसी बेटी को ठीक किया (देखें Ft– कनानी महिला का विश्वास), कुएं पर सामरी महिला जिसकी सेवा की गई थी (देखें Cn– यीशु एक सामरी महिला के साथ बात करते हैं), भविष्यवाणी की कि कई लोग पूर्व और पश्चिम से आएंगे, और स्वर्ग के राज्य में इब्राहीम, इसहाक और जैकब के साथ दावत

Gu – अच्छा चरवाहा और उसकी भेड़ें युहन्ना १०:१-२१ | 6

में अपना स्थान लेंगे। (मती ८:११), और यह कि कुछ अन्यजातियों का न्याय अनुकूल तरीके से किया जाएगा (देखें Jy– भेड़ और बकरियां)।

परमेश्वर के लोगों के साथ अन्यजातियों के इस जुड़ाव का उल्लेख युहन्ना ११:५२ में फिर से किया गया है और यह प्रेरितों की पुस्तक, रब्बी शाऊल के रोमियो, गलातियों, इफिसियों को लिखे पत्रों और योचानान द्वारा प्रकाशितवाक्य की पुस्तक का प्रमुख विषय है। अन्यजातियों का एकत्रीकरण शुरू हो गया है लेकिन पूरा नहीं हुआ है। धर्मग्रंथों के अंशों का १,८०० से अधिक भाषाओं में अनुवाद किया गया है, लेकिन लगभग ५,००० भाषाएँ बोली जाती हैं (भाषा के रूप में क्या परिभाषित है इसके आधार पर)। बहुत से लोगों के बीच मसीहा और परमेश्वर के वचन में विश्वास करने वाले लोग हैं, लेकिन बहुत से लोग वस्तुतः इससे वंचित हैं। अन्य भेड़ें तब तक जोड़ी जाती रहेंगी जब तक कि अन्यजातियों की पूरी गिनती नहीं आ जाती (रोमियों ११:२५)।

तानाख अक्सर अन्यजातियों के उद्धार को ध्यान में रखता है (देखें उत्पत्ति १२:३, २२:१८, २६:४; यशायाह ११:१०, १९:१८, ५४:१-३, ६०:१-३; होशे १:१०; आमोस ९-१२; मलाकी १:११; भजन ७२ और ८७। यशायाह ४५:२३ इस संबंध में शाऊल द्वारा उद्धृत किया गया है)। चौकस यहूदियों की चेतना पर इस विचार का सबसे मजबूत प्रभाव जकर्याह १४:९ सीजेबी से आता है, जिसे प्रतिदिन अलेनु प्रार्थना में आराधनालय में पढ़ा जाता है: तब अडोनाई पूरी दुनिया पर राजा होगा। उस दिन यहोवा ही एकमात्र होगा, और उसका नाम ही एकमात्र नाम होगा। जबकि जकर्याह १४:९ सीजेबी साबित करता है कि अंततः ब्रित चादाशाह में पूजा अब की तुलना में कहीं अधिक यहूदी चरित्र की होगी, वर्तमान कविता (योचनान १०:१६), और नए नियम की छंद जो मैंने ऊपर उद्धृत की है, यह दर्शाती है कि परमेश्वर के चुने हुए लोगों के अंतिम रूप में वे गैर-यहूदी शामिल हैं जिन्होंने यहूदी धर्म में परिवर्तन नहीं किया है।

फिर से मसीहा ने अपनी मृत्यु की भविष्यवाणी करते हुए कहा: मेरे पिता मुझसे प्यार करते हैं इसका कारण यह है कि मैं अपना जीवन देता हूं – केवल इसे फिर से लेने के लिए। उनकी मृत्यु पूर्णतः स्वैच्छिक थी। कोई उसे मुझ से छीन नहीं लेता, परन्तु मैं अपनी इच्छा से उसे छोड़ देता हूं। यीशु इतिहास की शतरंज की बिसात पर एक असहाय मोहरा नहीं था। मेरे पास इसे छोड़ने का अधिकार है और इसे फिर से लेने का अधिकार है। यह पिता ही है जिसने येशुआ को बड़ा किया (रोमियों ८:११), लेकिन इस श्लोक के अनुसार यीशु के पास मृत्यु में भी स्वयं को पुनर्जीवित करने की शक्ति थी। यह आदेश मुझे अपने पिता से मिला (यूहन्ना १०:१७-१८)। यह हमें बताता है कि मसीह ने अपने पूरे जीवन को ईश्वर की आज्ञाकारिता के रूप में देखा। प्रभु ने उसे एक कार्य सौंपा था, और वह उसे अंत तक पूरा करने के लिए तैयार था – भले ही इसके लिए मृत्यु ही क्यों न हो। उसका हाशेम के साथ एक अनोखा रिश्ता है, जिसका वर्णन हम केवल यह कहकर कर सकते हैं कि वह ईश्वर का पुत्र है। लेकिन उस रिश्ते ने उसे अपनी इच्छानुसार कार्य करने का अधिकार नहीं दिया। यह सदैव उस पर निर्भर था कि वह वही करे जो उसके पिता को प्रसन्न करता हो। उसके लिए पुत्रत्व, और हमारे लिए उसकी

Gu – अच्छा चरवाहा और उसकी भेड़ें युहन्ना १०:१-२१ | 7

संतान के रूप में, कभी भी आज्ञाकारिता के अलावा किसी अन्य चीज़ पर आधारित नहीं हो सकता है।

जिन यहूदियों ने ये बातें सुनीं वे फिर विभाजित हो गए। तीसरी बार, योचनान हमें बताता है कि यीशु की शिक्षा ने लोगों को विभाजित कर दिया (यूहन्ना ७:४३ और ९:१६)। उनमें से कई ने कहा, “वह राक्षस-ग्रस्त है और पागल हो रहा है (एक देखें – यह केवल राक्षसों के राजकुमार बील्ज़ेबब द्वारा किया गया है, कि यह साथी राक्षसों को बाहर निकालता है)। उसकी बात क्यों सुनें?” परन्तु दूसरों ने कहा, “ये किसी दुष्टात्मा से ग्रस्त मनुष्य की बातें नहीं हैं। क्या दुष्टात्मा अंधों की आंखें खोल सकती है” (योचनन १०:२०-२१)? मसीहा ने पहले ही घोषित कर दिया था कि उसकी सच्चाई की तलवार लोगों को विभाजित करती है और उसकी आवाज़ अपने लोगों को बुलाती है। जैसा कि अपेक्षित था, यूहन्ना ७:४३ और ९:१६ में हुआ धार्मिक अधिकारियों का विभाजन इस प्रवचन के परिणामस्वरूप यहां भी जारी रहा।

बूथ के त्योहार के बाद आठवां दिन ईसा मसीह के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण था। भोर को वह उपदेश देने के लिये बैठ गया, और सब लोग मन्दिर में उसके चारों ओर इकट्ठे हो गए। लेकिन वह बाधित हो गया क्योंकि फरीसियों और टोरा-शिक्षकों ने व्यभिचार में पकड़ी गई एक महिला को न्याय के लिए लाकर येशुआ को सार्वजनिक रूप से फंसाने और बदनाम करने की कोशिश की। उसके असफल होने के बाद, उन्होंने उस सुबह पढ़ाना जारी रखा। बूथों के उत्सव के सभी सात दिनों में प्रत्येक शाम, इस्राएलियों की भीड़ रोशनी जलाने के समारोह में भाग लेने के लिए महिलाओं के दरबार में जाती थी। उस समारोह ने उनकी ओर इशारा किया और उन्होंने घोषणा की: मैं दुनिया की रोशनी हूं। बाद में उस सुबह धार्मिक नेताओं ने यीशु के अधिकार को चुनौती देना जारी रखा, लेकिन प्रभु ने इब्राहीम से महान होने का दावा किया जब उन्होंने कहा: इब्राहीम के जन्म से पहले, मैं हूं। जन्म से अंधे एक व्यक्ति के चमत्कारी उपचार को लेकर येशुआ और फरीसियों के बीच संघर्ष स्पष्ट रूप से दोपहर तक जारी रहा। अंततः दोपहर में, मसीह ने अपने व्यस्त दिन का समापन किया जब उन्होंने भीड़ से उन झूठे चरवाहों के बारे में बात की जिन्होंने उस समय देश पर शासन किया था।

क्या दिन है! लेकिन यीशु ने और भी कई काम किये। यदि उनमें से हर एक को लिख लिया गया होता, तो मेरा मानना है कि पूरी दुनिया में भी उन पुस्तकों के लिए जगह नहीं होती जो लिखी जातीं (योचनान २१:२५)। हमने जो भी चमत्कार अनुभव किए हों, वे उन आश्चर्यों के लिए कुछ भी नहीं हैं जिन्हें हम अभी भी अनुभव कर सकते हैं। मसीहा का वर्णन करने के लिए हमारे शब्द शक्तिहीन हैं, और मानव पुस्तकें उसे पकड़ने के लिए अपर्याप्त हैं।

यीशु ने यहूदियों से कहा कि वह, अच्छा [सच्चा] चरवाहा, हमारे लिए स्वतंत्र रूप से अपना जीवन देगा। . . उसकी भेड़ें. बाद में, वह बारहों से कहेगा कि अपने दोस्तों के लिए अपना जीवन देने से बड़ा कोई प्रेम नहीं है (यूहन्ना १५:१३)। जीवन के

Gu – अच्छा चरवाहा और उसकी भेड़ें युहन्ना १०:१-२१ | 8

राजकुमार ने उस प्रेम को बखूबी प्रदर्शित किया जब वह क्रूस पर मर गया, और हम में से प्रत्येक के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया।

यह सोचना चौंका देने वाला है कि यदि आप दुनिया में एकमात्र व्यक्ति होते, तो भी यीशु आपको बचाने के लिए स्वतंत्र रूप से अपना जीवन दे देते। यह वह अहसास था जिसने पतरस को ग्रेट सैन्हेड्रिन (देखें Lg– महान महासभा) के सदस्यों को यह बताने का साहस दिया कि मुक्ति किसी और में नहीं मिलती, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यजाति को कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें (प्रेरितों ४:१२) ।

हमारे पास आनन्दित होने का एक बड़ा कारण है! ईश्वर की बुद्धि, भले ही मानव मन को मूर्खतापूर्ण लगती हो, सबसे अंधकारमय क्षणों में भी विजय प्राप्त करती है। प्रभु के अलावा कौन यह पूर्व निर्धारित कर सकता है कि प्रिय पुत्र येशुआ को उसके अपने लोगों द्वारा अस्वीकार कर दिया जाएगा और उसके अनुयायियों द्वारा त्याग दिया जाएगा? हाशेम ने स्वयं भी अपने पुत्र से मुंह मोड़ लिया, क्योंकि येशुआ हमारी ओर से पाप बन गया (देखें Lb– क्रूस पर यीशु के दूसरे तीन घंटे: परमेश्वर का क्रोध)। हालाँकि, यह परमेश्वर की अतुलनीय बुद्धि थी। वह हमसे इतना प्यार करता था कि उसने हमें अपने आलिंगन में वापस लाने के लिए स्वेच्छा से अपने इकलौते बेटे, जिसे वह किसी से भी या किसी भी चीज़ से अधिक प्यार करता था, का बलिदान दे दिया। यह वैसा ही है जैसे योचनान घोषणा करता है: देखो पिता ने हमें ईश्वर की संतान कहलाने के लिए हम पर कितना प्यार लुटाया है (प्रथम योचनान ३:१ए सीजेबी)!

उस समय के दौरान जब चीजें अंधकारमय और निराशाजनक लगती हैं, हमें जीवन के प्रभु के प्रेमपूर्ण प्रावधान की ओर देखना चाहिए। जीवन की अप्रत्याशित त्रासदियों में भी, वह काम पर है, हमें अपने करीब आने के लिए आमंत्रित कर रहा है। ऐसे समय होते हैं जब उसकी बुद्धि हमसे इतनी दूर होती है कि हमारी एकमात्र प्रतिक्रिया विश्वास और विश्वास ही हो सकती है। इन क्षणों में, परमेश्वर हमसे प्रार्थना करने के लिए कहते हैं, “येशुआ, मुझे तुम पर भरोसा है।” जब मुसीबतें और अंधकार हमें घेर लेते हैं, तो हम कह सकते हैं, “पिता, मुझे अपनी बाहों में पकड़ लो।” जब जीवन असहनीय लगता है, तो हम क्रूस की ओर देखकर कह सकते हैं, “हे प्रभु, आप मेरे लिए मर गए। मेरे अविश्वास में मदद करो।”

पवित्र आत्मा, मेरा सहायक बनो। मेरी ताकत बनो और मेरे सामने यीशु मसीह की सच्चाई प्रकट करो। मैं अपने आप को आप पर छोड़ देता हूं और मैं जो कुछ भी हूं और जो कुछ भी मेरे पास है, उस पर आप पर भरोसा करता हूं। आमीन.